रामाज्ञास्कूल, नौएडा

कक्षा-सात /विषय-हिंदी /२०१७-१८

ओलिंपियाड अभ्यासपत्र

प्र०कविता को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

मन करता है सूरज बनकर,आसमान में दौड़ लगाऊँ।
मन करता हैचंदाबनकर ,सब तारों पर अकड़ दिखाऊँ।
मन करता है बाबा बनकर ,घर में सब पर धौंस जमाऊँ।
मन करता है पापा बनकर ,मैं भी अपनी मूँछ बढ़ाऊँ।
मन करता है तितली बनकर ,दूर-दूर उड़ता जाऊँ।
मन करता है कोयल बनकर ,मीठे-मीठे बोल सुनाऊँ।

1.बच्चा क्या बनकर आसमान में दौड़ लगाना चाहता है ?
(क) पंछी बनकर (ख) सूरज बनकर (ग) चाँद बनकर (घ) चील बनकर

2. बच्चा चंदा बनकर क्या करना चाहता है ?
(क)तारों पर अकड़ दिखाना (ख) चमकना (ग) छिपना (घ) ढलना

3. बच्चा क्या बनकर धौंस जमाना चाहता है ?
(क) पिता बनकर (ख) माँ बनकर (ग) बाबा बनकर (घ) गुरु बनकर

4. बच्चा किसके जैसे मूँछ बढ़ाना चाहता है ?
(क) मामा बनकर (ख) दादा बनकर (ग) पापा बनकर (घ)चाचा बनकर

5. बच्चा कोयल बनकर क्या करना चाहता है ?
(क) उड़ना चाहता है (ख) चहकना चाहता है (ग) मीठे बोल सुनाना (घ) कुछ नही

6. काल के अनुसार किसका रूप बदलता है ?
(क)संज्ञा (ख)कारक (ग) सर्वनाम (घ) क्रिया

7.क्रिया के होने या करने के समय का पता चलता है –
(क)संज्ञा से (ख) काल से (ग) कर्म से (घ) कर्ता से

8.जो क्रिया बीते समय में हो चुकी है , उसे कहते हैं-
(क)वर्तमान काल (ख) भविष्य काल (ग) भूतकाल (घ)इनमे से कोई नही

9.माँ स्वेटर बना रही है l
(क)वर्तमान काल (ख) भविष्यकाल (ग)भूतकाल (घ)इनमे से कोई नही

10.काल के कितने भेद होते हैं-

(क)एक (ख) दो (ग)तीन (घ)चार

11.सभी कलाकारों के ----------बहुत सुन्दर थे l

(क)प्रधान (ख)परिधान (ग)पराधीन (घ)प्रियधन

12.यह----------तुलसीदास द्वारा रचित है l

(क)क्रीत (ख) कृत (ग) कृति (घ)कृती

13.मैं हर---------- , ---------- के भजन गाता हूँ l

(क)श्यामा (ख) शाम (ग) साम (घ) श्याम

14.गोकुल के हर घर में ---------- पाली जाती है l

(क)धनु (ख) धन (ग) धेनु (घ) धनुष

15.राजा बहुत बड़े ---------- में रहता है l

(क)भुवन (ख)भवन (ग)भावन (घ)भावना

16. व्याकरण में संधि का अर्थ है –

(क)शब्दों का मेल (ख)मात्राओं का मेल (ग)वर्णों का मेल (घ) इनमे से कोई नही

17. संधि के मुख्य रूप से ---------- भेद होते हैl

(क)तीन (ख) दो (ग) पांच (घ)चार

18.“सज्जन” का संधि विच्छेद है –

(क)स+जन (ख) सत+जन (ग) सज+जन (घ) सत्य+जन

19.“नाविक“ का संधि विच्छेद है –

(क)नो+इक (ख) नावी+क (ग) नाव+इक (घ) ना+ विक

20.“परम+एश्वर्य“ की संधि होगी –

(क)पर्मिश्वरय (ख) पर्मैश्वरय (ग)परमेश्वरय (घ) इनमे से कोई नही